बंदर

पर्यावासः विस्तृत

अपना व्यवहार विभिन्न पर्यावासों और इंसानों के अनुरूप करने में सक्षम

इंसानी पर्यावासों में बड़े दल और उच्च घनत्व में उपस्थिति

आहारः सर्वभक्षी

इंसानी पर्यावासों में इनके आहार का 90% से ज़्यादा हिस्सा इंसानों द्वारा प्रभावित होता है

औसत जीवनकाल

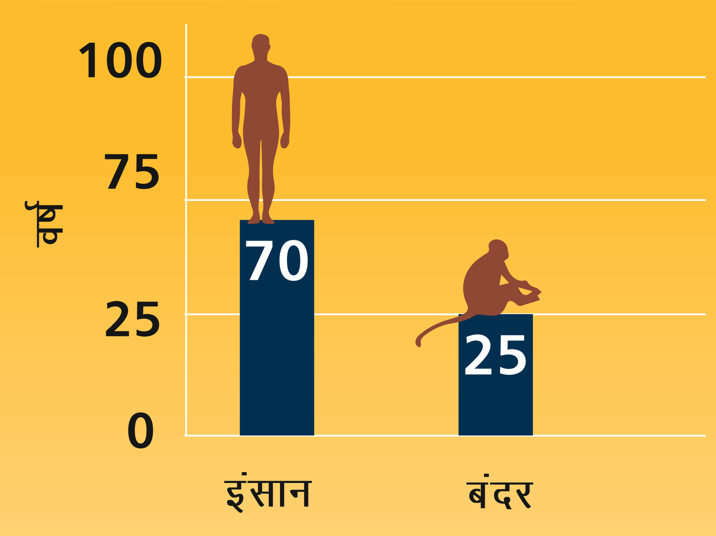

बंदर

आईयूसीएन (IUCN) स्थिति : ख़तरे से बाहर

- इनका शरीर भूरे रंग का होता है जबकि मुंह और नितम्ब गुलाबी रंग का होता है
- संतुलन और छलांग लगाने के लिए अपनी पूँछ का इस्तेमाल करता है
- सामाजिक झुंड में रहता है; नर एक दल से दूसरे दल में शामिल हो जाते हैं जबकि मादाएं अपना पूरा जीवन एक ही दल में गुज़ारती हैं
- आक्रामक व्यवहार द्वारा अपनी प्रधानता दर्शाता है जैसे मुंह खोलकर धमकाना, खींचना, धक्का देना, झपट्टा मारना, काटना आदि
- अत्यंत चतुर, इंसानी पर्यावास में रहना सीख गया है
- ऊँचे शिखर चढ़ने में सक्षम होता है लेकिन जमीन पर बहुत समय व्यतीत करता है
- इन्हें तैरना आता है; छोटे बंदर तो जन्म के कुछ दिनों के अंदर ही तैरना सीख जाते हैं
- बंदर अपने दल के दूसरों सदस्यों को संवारकर, उनके पास बैठकर और खेलकर सामाजिक रिश्ता स्थापित करते हैं
- दिन में सक्रिय रहता है लेकिन अधिकतम घंटे सामाजिक रिश्ते स्थापित करने और आराम करने में व्यतीत करता है.
- जंगल में रहने वाले दल खाना ढूंढने में ज़्यादा समय बिताते हैं। इनका जन्म दर खाने की उपलब्धता पर निर्भर करता है
- कचरे के ढेरों में पड़ा उच्च पौष्टिक खाना इन्हें आकर्षित करता है और इनकी बढ़ती आबादी में अपना योगदान देता है

दल का आकार

दल का आकार 10–80 बंदरों के बीच होता है

खाने की कमी न हो तो एक दल में 200 से अधिक बंदर हो सकते हैं

प्रजनन की आयु

2.5 – 4 साल | गर्भ कालः 5.5 महीने

हर साल एक महिला

एक शावक को जन्म देती है जुड़वां शावक कभी–कभार ही होते हैं

आकार

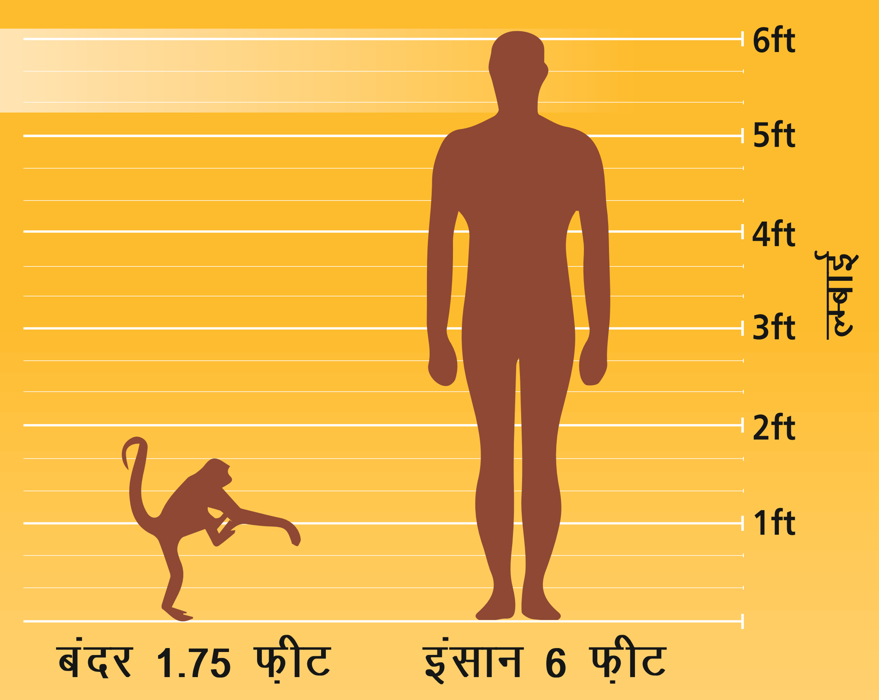

क्या आप जानते हैं?

- बंदर भारत में मनुष्यों के बाद सबसे व्यापक रूप से वितरित प्राइमेट हैं
- बंदर फलदार पेड़ों से बीजों को यहां–वहां बिखेरकर पारिस्थितिकी तंत्र में अपना योगदान देते हैं
- नर और मादा दोनों में रेखीय प्रधानता पदानुक्रम देखने को मिलता है
- बंदरों के दल लगातार यहां से वहां घुमते रहते हैं जिससे दल टूट जाते हैं और इनके बीच उच्च तनाव की स्थिति बन जाती है
- मानव और बंदरों के बीच संघर्ष के अंतर्गत बंदरों द्वारा फ़सल को नुकसान पहुंचाना, घरों में घुस जाना, खाने की चोरी कर उसे खाना और लोगों पर आक्रमण करना शामिल है
- लोग धार्मिक कारणों और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार दर्शाते हुए बंदरों को खाना खिलाते हैं। इससे बंदर इंसानों पर निर्भर रहने लगते हैं; परिणामस्वरुप, वे उनसे खाना छीनने के लिए उन पर आक्रमण कर देते है

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन